Fourteenth Loksabha

Session : 6
Date : 29-11-2005
Participants : Gangwar Shri Santosh Kumar

>

Title : Need for effective utilization of services of Engineers working in MTNL and BSNL.

श्री संतोा गंगवार (बरेली) : अध्यक्ष जी, संचार मंत्रालय के अदूरदर्शी निर्णय के कारण बीएसएनएल और एमटीएनएल में आईटीएस के जो 2200 अधिकारी कार्यरत थे, उनको संचार मंत्रालय ने वहां से हटाकर वापस ले लिया है। इससे बीएसएनएल और एमटीएनएल का कार्य प्रभावित हो रहा है। मेरी जानकारी में आया है कि अब तक दो हजार करोड़ रूपये से अधिक का नुक्सान हो चुका है। दुख की बात यह है कि सारे अधिकारी ड्यूटी में वापस आकर भी बिना किसी काम के बैठे हुए हैं। भारत सरकार ने इतने अच्छे अधिकारियों को सेवा में लगाया था, लेकिन इस समय उनके पास कोई काम नहीं है।

मैं आपके माध्यम से संचार मंत्री जी से आग्रह करूंगा कि इस विाय पर पुनर्विचार करें तथा आईटीएस सेवा के जो अधिकारी बुलाए गए हैं, उनको फिर से बीएसएनएल और एमटीएनएल में प्रतिनियुक्ति पर वापस भेजा जाए। इस पर एक या दो साल में निर्णय लेकर अंतिम फैसला लिया जाए कि इसको कैसे निस्तारित करना है। मुझे लगता है कि कुछ प्राइवेट ऑपरेटर से संचार मंत्रालय ने मिलीभगत कर ली है। इस कारण से बीएसएनएल और एमटीएनएल की संचार सेवाएं बुरी तरह से प्रभावित हो रही हैं और लोग इनको छोड़कर जाने का काम कर रहे हैं।

मेरा माननीय मंत्री जी से आग्रह है कि सरकार इस ओर ध्यान दे। इस पर जल्दबाज़ी में एकतरफा निर्णय न लिया जाए। डीओटी के भविय को ध्यान में रखकर फैसला लिया जाए।

MR. SPEAKER: Hon. Members, it has been decided by all the Leaders earlier, in the last Session itself it has been followed, that five or six most important urgent matters will be taken up at 12 o'clock after the Question Hour and the rest of them will be taken up at 6 o'clock, at the end of the day's proceedings. Because we could not take up these matters on the last three days I have allowed more matters to be raised today. I appreciate the kind gesture of cooperation of the hon. Members. Already 20

matters have been mentioned instead of five. Rest of them will be allowed to be raised today after the House ends its day's schedule. It may be earlier than 6 o'clock.

13.03 hrs.

The Lok Sabha then adjourned for Lunch

till Fourteen of the Clock.